प्रत्यक्षदर्शी ने जांच आयोग को सौंपे वीडियो

बरगी क्रूज दुर्घटना: पेन ड्राइव में कैद हैं हादसे के सबूत

जबलपुर। बरगी बांध में गत 30 अप्रैल को हुए भीषण क्रूज हादसे की न्यायिक जांच के दौरान एक नया और सनसनीखेज मोड़ सामने आया है। हादसे के प्रत्यक्षदर्शी और बचाव कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने वाले बरगी निवासी नीरज मिश्रा ने जांच आयोग के समक्ष 14 बिंदुओं की विस्तृत लिखित शिकायत, वीडियो साक्ष्यों से भरी एक पेनड्राइव और अपने बयान प्रस्तुत कर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन साक्ष्यों के सामने आने के बाद जांच का फोकस केवल क्रूज डूबने की वजहों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि हादसे के बाद हुए राहत एवं बचाव कार्यों की प्रभावशीलता और प्रशासनिक तैयारियों पर भी सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार नीरज मिश्रा ने आयोग को जो दस्तावेज और वीडियो उपलब्ध कराए हैं, उनमें हादसे के बाद की स्थिति, राहत कार्यों की वास्तविक तस्वीर और मौके पर मौजूद व्यवस्थाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण तथ्य दर्ज हैं। शिकायत में दावा किया गया है कि हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंची 108 एम्बुलेंस में चालक के अलावा कोई डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ या प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मौजूद नहीं था।

एम्बुलेंस चालक का दावा, वीडियो में कैद

शिकायतकर्ता का कहना है कि एम्बुलेंस चालक ने स्वयं यह स्वीकार किया कि वह अकेले मौके पर पहुंचा था। इस कथित स्वीकारोक्ति का वीडियो भी जांच आयोग को सौंपा गया है। यदि वीडियो और अन्य साक्ष्यों की पुष्टि होती है तो यह सवाल खड़ा होगा कि 13 लोगों की जान लेने वाले इतने बड़े हादसे के दौरान आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था किस स्तर पर काम कर रही थी। नीरज मिश्रा का आरोप है कि पानी से निकाले गए कई लोगों में जीवन के संकेत मौजूद थे, लेकिन उन्हें समय पर सीपीआर, ऑक्सीजन और प्राथमिक उपचार नहीं मिल सका। ऐसे में जांच का एक बड़ा बिंदु यह भी बन सकता है कि क्या कुछ मौतों को समय रहते चिकित्सकीय सहायता देकर रोका जा सकता था।

14 बिंदुओं में राहत कार्यों पर भी सवाल

लिखित शिकायत में केवल चिकित्सा व्यवस्था ही नहीं, बल्कि राहत और बचाव कार्यों की पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि एसडीआरएफ की टीम देरी से मौके पर पहुंची और शुरुआती दौर में स्थानीय लोगों को ही बचाव कार्य की जिम्मेदारी संभालनी पड़ी।

इसके अलावा प्रशिक्षित आपदा प्रबंधन दल की अनुपलब्धता, आधुनिक मोटर बोट की कमी और राहत कार्यों के समन्वय में कथित खामियों को भी शिकायत का हिस्सा बनाया गया है। शिकायत के अनुसार शुरुआती घंटों में यदि बेहतर संसाधन उपलब्ध होते तो राहत कार्य और अधिक प्रभावी हो सकते थे।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप

जांच आयोग को दिए गए दस्तावेजों में क्रूज संचालन से जुड़े सुरक्षा मानकों पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत के अनुसार यात्रियों से पूरा टिकट शुल्क वसूला गया, लेकिन उनके लिए किसी प्रकार का सामूहिक बीमा नहीं कराया गया था। साथ ही क्रूज पर पर्याप्त सुरक्षा उपकरण और आपातकालीन संसाधन उपलब्ध नहीं थे।

इन आरोपों ने जांच को एक नए आयाम पर ला खड़ा किया है, क्योंकि अब सवाल केवल हादसे के कारणों का नहीं बल्कि उस पूरी व्यवस्था का है जिसके भरोसे पर्यटकों को जल पर्यटन का अनुभव कराया जा रहा था।

आयोग के लिए अहम बन सकते हैं नए साक्ष्य

जानकारों का मानना है कि प्रत्यक्षदर्शी द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो, दस्तावेज और लिखित शिकायत जांच आयोग के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकते हैं। अब आयोग को यह तय करना होगा कि हादसे के दौरान और उसके बाद विभिन्न एजेंसियों ने निर्धारित मानकों के अनुसार काम किया था या नहीं।

उल्लेखनीय है कि बरगी बांध में 30 अप्रैल की शाम करीब 5:30 बजे मैकल रिसॉर्ट से 41 पर्यटकों को लेकर निकला क्रूज बैकवाटर में डूब गया था। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था।

सरकार को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

न्यायिक जांच आयोग पर्यटन विभाग के तत्कालीन महाप्रबंधक, रिसॉर्ट प्रबंधन और क्रूज चालक सहित कई पक्षों के बयान दर्ज कर चुका है। आयोग को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपनी है। ऐसे में नीरज मिश्रा द्वारा प्रस्तुत नए साक्ष्य और आरोप जांच की दिशा तथा अंतिम निष्कर्षों को प्रभावित कर सकते हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आयोग इन दावों और वीडियो साक्ष्यों की जांच के बाद किन निष्कर्षों पर पहुंचता है और क्या हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर जवाबदेही तय हो पाती है।

खो खो टूर्नामेंट : लक्ष्मी बेन बेस्ट आलराउंडर चुने गए

माया चैलेंजर और गधेरी लेपर्ड्स को एमपीएल खिताब

जबलपुर। एमपी नर्मदा खो खो लीग की ट्रॉफी में माया चैलेंजर्स, गधेरी लेपर्ड का कब्जा रहा। उत्कृष्ट खिलाड़ियों में लक्ष्मी बेन बेस्ट आलराउंडर चुने गए। मध्य प्रदेश एमेच्योर खो खो एसोसिएशन के तत्वावधान में महाराष्ट्र व्यायाम शाला के मैदान में खेली जा रही एमपी नर्मदा खो खो लीग के समापन समारोह के मुख्य अतिथि विजन महल के एमडी संदीप विजन, अध्यक्ष पंडित योगेंद्र दुबे, सचिव संजय यादव रहे। इन सभी का स्वागत विनोद पोद्दार, विक्रम अवॉर्डी नैंसी जैन, आफरीन शेख, पूजा बर्मन, मोंटू रैकवार द्वारा किया गया।बालिका वर्ग का फाइनल मैच माया चैलेंजर्स विरुद्ध विजय इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें माया चैलेंडर्स 1 पारी 1 अंक से जीत हासिल की। इसमें विजेता टीम को ट्रॉफी एवं 21 हजार रुपये नकद दिए गए। उपविजेता टीम को 11 हजार रुपये की राशि दी गई। बेस्ट ऑलराउंडर का खिताब लक्ष्मी बेन को एक बैग ओर 1100 रुपये की राशि से सम्मानित किया। बेस्ट अटैकर आयुषी यादव एवं बेस्ट डिफेंडर वंशिका बेन को एक एक बैग से सम्मानित किया। इसी प्रकार बालक वर्ग में फाइनल मैच गधेरी लेपर्ड विरुद्ध माया चैलेंजर्स के बीच खेला गया। इस कश्मकश मैच में गधेरी लेपर्ड ने 2 अंक से विजय हासिल की। जिसमें बेस्ट ऑलराउंडर का खिताब शुभम काछी को चुना गया। बेस्ट अटेकर सागर मरावी, बेस्ट डिफेंडर हर्ष बर्मन को चुना गया।ये रहे निर्णायक : मैच के निर्णायक चंद्र शेखर स्वामी, जीतू तिवारी, सुनील परमार, सुशील जायसवाल, शिवम परिहार, शुभम शुक्ला, मोनिका मेहता, गोल्डी गुप्ता, ऊषा श्लोकर ने निभाई गई।

कांग्रेस ने शुरु किया पोल खोल हल्ला बोल अभियान

संजय यादव के नेतृत्व में किया गया सीएम का पुतला दहन

जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव के आह्वान पर पोल खोल हल्ला बोल के अंतर्गत बेलखारू ब्लॉक अंतर्गत करमेता में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष श्री अजीत परिहार, सत्येंद्र चौबे (पार्षद), वरिष्ठ नेता राजेश तिवारी, विक्रम सिंह, विवेक यादव, रिंकू तिवारी सहित समस्त मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि प्रत्येक मंडल एवं पंचायत स्तर पर गांव-गांव अवैध शराब की बिक्री हो रही है, जिससे महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार जनहित के मुद्दों को उठाती रहेगी और अवैध शराब बिक्री के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। साथ ही मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के लिए की गई अभद्र एवं अपमानजनक टिप्पणी की कांग्रेसजनों ने कड़ी निंदा की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए मुख्यमंत्री से अपने बयान पर माफी मांगने की मांग की।

ई-रिक्शा पलटा, सवारी की मौत

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के कटंगी रोड पर रविवार दोपहर एक ई-रिक्शा पलटने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह किसी काम से लौटकर अपने घर जा रहे थे। माढ़ोताल थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धबाबा क्षेत्र, घमापुर निवासी बद्रीप्रसाद साहू कटंगी बायपास किसी कार्य से गए थे। वहां से ई-रिक्शा में सवार होकर घर लौट रहे थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे कटंगी रोड पर सामने से आ रहे एक भारी वाहन को रास्ता देने के दौरान ई-रिक्शा चालक ने वाहन को अचानक किनारे किया, जिससे वह अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में बद्रीप्रसाद साहू रिक्शा के नीचे दब गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। इसी दौरान मृतक का पुत्र सौरभ भी मौके पर पहुंच गया और घायल पिता को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले गया। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जीआरपी ने पकड़ा मोबाइल चोर

जबलपुर। रेलवे स्टेशन जबलपुर में यात्रियों की भीड़भाड़ में आरोपियों के द्वारा चोरी करने की घटना को रोकने के लिये विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। रेलवे स्टेशन जबलपुर में चैकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म नं. 1 इटारसी छोर पर एक व्यक्ति माणिक प्रसाद उर्फ पप्पू चौधरी पिता बसोरीलाल चौधरी उम्र 38 साल निवासी ग्राम हरदुआ माला थाना पाटन जिला जबलपुर का रहने वाला संदिग्ध अवस्था में मिला जिससे पूछताछ की गई तो उसने पूछताछ पर बताया कि वह स्टेशन में आने-जाने वाले यात्रियों को दो मोबाईल रीयलमी एवं रेडमी कम्पनी के कुल कीमती 24000 रूपये के बेचने की फिराक में था जिसे मौके पर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उक्त दोनों मोबाईल को 12-15 दिन पहले रेलवे स्टेशन सिहोरा में सो रहे एक व्यक्ति के पिठ्ठु बैग से चोरी करना स्वीकार किया एवं स्टेशन जबलपुर में यात्रियों को बेचने के लिये आना बताया। उक्त दोनों मोबाईल थाने के अपराध क्र. 280/26 धारा 303 (2) बीएनएस के मामले में जप्त किये गये हैं। आरोपी माणिक प्रसाद उर्फ पप्पू चौधरी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। आरोपी के थाना पाटन जबलपुर में मारपीट किये जाने के आपराधिक रिकार्ड हैं। उक्त बदमाश को गिरफ्तार करने एवं माल बरामदगी में जीआरपी थाना जबलपुर एसएचओ संजीवनी राजपूत के नेतृत्व मे सहायक उप निरी. गोपाल सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक अरुण तिवारी, मनोज मिश्रा, आरक्षक रविकांत रजक, परशुराम यादव, उमेश चौरे एवं आरपीएफ सीआईबी के प्रधान आरक्षक संदीप यादव एवं ताराचन्द गुर्जर का योगदान रहा।

एपीसी अशोक वर्णवाल ने सब्जी फार्म में देखा आधुनिक बीज उत्पादन कार्य

हाइब्रिड बीज उत्पादन से कृषि क्षेत्र को मिलेगी नई दिशा

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी फार्म में आयोजित भ्रमण कार्यक्रम के दौरान एपीसी अशोक वर्णवाल ने लौकी एवं खरबूजा फसलों में हाइब्रिड बीज उत्पादन की उन्नत तकनीकों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा, कमिश्नर धनंजय सिंह भदौरिया, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय एवं प्रशासन के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. अखिलेश तिवारी एवं हिमांशु वर्मा ने नियंत्रित परागण, बैगिंग, टैगिंग तथा हाइब्रिड बीज उत्पादन की वैज्ञानिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले बीज तैयार किए जा रहे हैं, जिससे किसानों को अधिक उत्पादन और बेहतर आर्थिक लाभ मिलेगा। एपीसी अशोक वर्णवाल ने फार्म पर विकसित हाइब्रिड्स एवं बीज उत्पादन कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नवाचार कृषि विकास और किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने अनुसंधान एवं तकनीकी गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

महिला से मोबाइल लूट कर भागे बाईक सवार

जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र में एक महिला से दिनदहाड़े मोबाइल झपटने का मामला सामने आया है। मंडला जिले की निवासी सरोपति कुंजाम ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार सुबह गोरखपुर स्थित कोटक महिंद्रा बैंक के सामने मोबाइल पर बात कर रही थीं। इसी दौरान पल्सर बाइक पर सवार दो युवक आए और उनके हाथ से मोबाइल छीनकर कटंगा क्रॉसिंग की ओर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट पर धारा 304(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मिशनरी स्कूल में धर्मांतरण की सूचना पर हंगामा, 3 हिरासत में

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र के सोहागी इलाके में कथित धर्मांतरण की सूचना मिलने पर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाकर हंगामा किया। आरोप है कि हाउसिंग बोर्ड कालोनी स्थित सेंट मैरी स्कूल में अवकाश के दौरान प्रार्थना सभा में भोली भाली जनता को पैशों का प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया जा रहा था. प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस दो महिलाओं और एक पुरुष को पूछताछ के लिए अधारताल थाने लेकर पहुंची, जहां उनके बयान दर्ज किए गए। विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत सह प्रचार प्रसार प्रमुख अजय चौरसिया, कुमार राठौड़ आर कोमल सिंह लोधी का आरोप है कि यहां प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया जा रहा था। हालांकि मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए पुलिस जांच कर रही है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराने की मांग की है। संगठन का कहना है कि यदि जांच में अवैध धर्मांतरण या प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

माँ नर्मदा पंचकोषी यात्रा गुरुजी के सानिध्य में निकाली

जबलपुर। रविवार को प्रातः 6 बजे मां नर्मदा जी के सिद्धघाट गौरीघाट से स्वयः सिद्ध हनुमान प्रभात फेरी रामपुर के संयोजन में माँ नर्मदा जी की पंच कोषी यात्रा जगत गुरुजी डॉ. बालगोविन्दाचार्य महाराज ने मां की आरती पूजन कराकर संत भगतदास तिवारी, रामानुगृह शास्त्री की पावन उपस्थिति पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व के उपलक्ष्य में पूर्णिमा तिथि के शुभ अवसर कार्यक्रम के संयोजक ठाड़ेश्वर महावर ने बताया कि यात्रा सिद्धघाट से प्रारंभ होकर तिलवारा और तिलवारा से ललपुर होते हुए खारी घाट मार्ग से सिद्धघाट पहुंची यात्रा का स्वागत किया गया। सुरेन्द्र तिवारी, भीमसेन मिश्रा, शेषमणि पटेल, बाबूलाल तिवारी, इस अवसर पर त्रिमूर्ति नगर महिला मंडल ने भंडारे का आयोजन किया जिसमें माया कनोजिया, शशि सिगरौरे, सदासुखी बघेल, विमला वर्मा, भागवती झारिया, वन्दना कोल, अनिता महावर, अमन पटैल, संध्या पटेल, रुकमणि तिवारी सभी ने प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर जिन्होंने प्रमुख रूप से यात्रा की राजेन्द्र तिवारी, राजेश चौबे, मूरत सिंग ठाकुर, विरेन्द्र रैकवार, राजेश दुबे, देवलाल झारिया, देवलाल ब्रारिबा, बदन सिंग ठाकुर, विनोद गर्ग, किशन लाल गुप्ता, राजू राठोर, घनश्याम राठोर, नारायण पटेल आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अपहरण और दुष्कर्म के मामले में पुलिस की निष्क्रियता का आरोप पीड़िता के परिवार ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

जबलपुर। बेलखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के अपहरण, शारीरिक शोषण और जबरन विवाह कर उसे बंधक बनाए रखने का एक अत्यंत गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की बड़ी बहन द्वारा दी गई लिखित शिकायत के अनुसार, आरोपी प्रशांत पटेल ने उसकी छोटी बहन को अपने कब्जे में रखा हुआ है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि 7 फरवरी को थाना बेलखेड़ा में भारतीय न्यायिका संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत अपहरण की शिकायत दर्ज (FIR No. 0022/2026) कराई गई थी। इसके साथ ही गुमशुदगी पंजीकरण क्रमांक 0008/26 भी दर्ज है। आरोप है कि घटना को लंबा समय बीत जाने के बाद भी थाना प्रभारी बेलखेड़ा द्वारा पीड़िता को खोजने या आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। यहाँ तक कि जिस वाहन (नंबर: MP20ZL4921) से अपहरण किया गया था, उसे भी प्रथम सूचना रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया।

राजनीतिक दबाव और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरोपी पक्ष को स्थानीय राजनीतिक रसूख हासिल है। मुख्य आरोपी, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष कमल गुमास्ता के सगा भतीजे का नाती बताया जा रहा है। इसी राजनीतिक पकड़ के कारण पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली शुरू से ही संदेह के घेरे में है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि न्याय के लिए उनके द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) पर भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। परंतु, स्थानीय पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित पक्ष के घर जाकर इस शिकायत को वापस लेने और केस को रफा-दफा करने का लगातार दबाव बना रही है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन के उच्च अधिकारियों और मीडिया से मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने, नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद करने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

एथलीट्स के रिकॉर्ड बनाने, मनोरमा नदी को बचाने के अभियान तक, पीएम ने की तात्कालिक विषयों पर मन की बात

भाजपा ने जबलपुर महानगर के सभी 1041 बूथों में सुना प्रधानमंत्री के मन की बात का 134वां संस्करण

जबलपुर। प्रतिमाह के अंतिम रविवार को आयोजित प्रधानमंत्री के मन की बात के कार्यक्रम के 134वें संस्करण को भाजपा जबलपुर के सभी 1041 बूथों में समस्त पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों कार्यकर्ताओं एवं आम जनों द्वारा सुना गया।

प्रधानमंत्री के "मन की बात" कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने उत्तर विधानसभा के दीनदयाल चौक स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में, जिला प्रभारी पूर्व सांसद आलोक संजर ने नर्मदा मंडल अंतर्गत ग्वारीघाट वार्ड स्थित मनीष दुबे के निवास पर नाविकों एवं क्षेत्रीयजनों के साथ, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने केंट विधानसभा अंतर्गत वीर सावरकर मंडल स्थित कृषि विश्वविद्यालय में, महापौर जगतबहादूर सिंह अन्नू एवं नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज ने विवेकानंद मंडल स्थित स्मार्ट सिटी सभागार में, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, श्रीकांत साहू एवं मन की बात के प्रभारी राजेश मिश्रा ने पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के कार्यक्रम में सभी तात्कालिक विषयों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने मन की बात के 134वें संस्करण में एथलेटिक्स में भारत के बढ़ते दमखम पर चर्चा की। उन्होंने स्वदेशी पेय पदार्थों, ज्ञान भारतम अभियान, खगोल विज्ञान, गंगा डॉल्फिन, स्वच्छता और दान के महत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों से बात की, साथ ही नीदरलैंड से वापस लाई गई चोल ताम्र पट्टिकाओं पर भी विस्तार चर्चा की, नागरिकों से गर्मियों में बचाव करते हुए सुरक्षित रहने एवं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की।

पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 134वें एपिसोड में कहा कि कुछ दिन पहले ही झारखंड के रांची में नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पटीशन हुआ। इसमें करीब 800 एथलीट्स ने हिस्सा लिया। ये सभी देशभर से आए थे। इस दौरान चार अलग-अलग इवेंट में चार नेशनल रिकॉर्ड टूटे। गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार, इन साथियों ने अलग-अलग कैटेगरी में नए रिकॉर्ड बनाए। मैं सबसे पहले तो इन सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, साथियों, हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है, रसोई का प्रकार बदल जाता है। कहीं मटके का पानी निकल आता है, कहीं दही जमने लगता है, तो कहीं कच्चे आम उबलने लगते हैं।

उन्होंने कहा, देसी पेय से आप भी परिचित हैं, अगर आप उत्तर भारत में जाएंगे तो काफी जगह आपको मिलेगा आम पना, कच्चे आम का स्वाद और गर्मी से राहत भी। पंजाब-हरियाणा जाइए तो लस्सी मिल जाएगी, बड़े गिलास वाली लस्सी। राजस्थान और गुजरात में छाछ, जैसे हर खाने की साथी बन जाती है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत, उसकी तो बात ही क्या है पेट भी भरे, ताकत भी दे। कोंकण और गोवा में कोकम शरबत, सोल कढ़ी। दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना, वो सिर्फ पेय नहीं, भारत के अलग-अलग क्षेत्रों की परंपरा का हिस्सा है।

कृष्ण नंदन की बाल लीलाओं में गहरे रहस्यः पं. राकेश पाठक शरणागत

गुड़हाई में चल रही भागवत में बताए जा रहे गूढ़ रहस्य

जबलपुर। "श्रीमद भागवत में यशोदानंदन भगवान श्रीकृष्ण के बाल चरित्र का सिर्फ घटनात्मक चित्रण नहीं है, अपितु इन कथाओं में गहरे रहस्य छिपे हुए हैं। पूतना वध की कथा जहां अविद्या की गाथा कहती है, तो वहीं कालिया मर्दन की कथा आध्यात्म के मानस मंथन की ओर इशारा करती है। अकासुर-बकासुर वध हों, या कंस चाणूर मर्दनम अथवा प्रेम के वशीभूत रासलीलाओं का वर्णन हो, ये सभी बड़ी प्रतीकात्मक कथाएं हैं।" इस आशय के उद्गार पं. राकेश पाठक शरणागत ने गुड़हाई में चल रही भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के पांचवें दिन कथा मीमांसा करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि इन कथाओं में जीवन के सूत्र छिपे हुए हैं। वहीं चौथे दिन नंद के आनंद भए जय कन्हैया लाल की..., तीन लोग के नाथ कन्हैया ने जनम लियो है..., जैसे भजनों पर नाचते-खुशी मनाते भक्त पूरी तरह कृष्ण मय हुए। पं. राकेश पाठक शरणागत के मुखारबिंद से चल रही भागवत कथा में झुक जैयो तनक रघुवीर लली मोरी छोटी सी..., भजन ने माहौल मिथिला का किया, तो कृष्ण जन्मोत्सव ने माहौल मथुरा सा। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में पं. राकेश पाठक ने कहा कि श्रीमद् भागवत से भक्ति, मोक्ष एवं सद्गति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने-राम-कृष्ण चरित्र के माध्यम से आध्यात्म के गूढ़ तत्वों का कथा में समावेश किया। कथा के पूर्व मुख्य यजमान राजेश पाठक, मुकेश पाठक, प्रभा पाठक, रानू पाठक ने व्यास पीठ का पूजन अर्चन किया। कथा में पूर्व विधायक विनय सक्सेना भी उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि पं. पाठक द्वारा जिस सरल भाव से भागवत कथा कही जा रही है, वो अद्भुत है। मुकेश पाठक ने बताया कि कथा प्रतिदिन सांय 5:00 बजे से 8:00 तक हो रही है। समापन 02 जून को होगा। कथा सुनने पहुंचे पूर्व विधायक विनय सक्सेना का श्रीफल, शाल से सम्मान किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

जबलपुर। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लेखक एवं पत्रकार पंडित द्वारिका प्रसाद मिश्र की पुण्यतिथि पर रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिविक सेंटर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रिजवान अली कोटी ने कहा कि पंडित द्वारिका प्रसाद मिश्र ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर प्रदेश के नवनिर्माण तक में अविस्मरणीय योगदान दिया। एक पत्रकार, लेखक और प्रशासक के रूप में उनका जीवन हम सभी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी निष्पक्ष कलम और जनसेवा की भावना को कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता आत्मसात करने का संकल्प लेता है। मिश्र जी ने 'कृष्णायन' जैसे कालजयी ग्रंथ की रचना कर साहित्य को समृद्ध किया और पत्रकारिता के माध्यम से जनता की आवाज को बुलंद किया। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराते हैं।कार्यक्रम में ब्रजेश यादव, अनिल यादव, शफी खान, ज़फ़र खान, विनोद यादव, जब्बार खान, एजाज़ अंसारी आदि उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी अतिशीघ्र जारी की जाए, मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष राजेश सहारिया ने बताया कि 01 जून से लेकर 15 जून तक मध्य प्रदेश सरकार ने शासकीय लोक सेवकों के लिए स्थानांतरण हेतु आवेदन मांगे हैं परंतु शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी जारी न होने के कारण शिक्षकगण असमंजस की स्थिति में हैं कि बिना स्थानांतरण नीति के वे आवेदन करें तो किस आधार पर करें, वैसे भी 15 दिन बहुत कम समय है, अतः संगठन आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. से मांग करता है कि आवेदन प्रक्रिया से लेकर स्थानांतरण तक की पॉलिसी बनाकर अतिशीघ्र प्रस्तुत की जाए जिससे उचित प्रकिया के तहत शिक्षक अपना ट्रांसफर आवेदन प्रस्तुत कर सकें। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, हेमंत ठाकरे, रऊफ खान, दिनेश गोंड, फिलिप एंथोनी, राजकुमार यादव, गुडविन चार्ल्स, दीपेश जैन, सुरेंद्र चौधरी, गोपीशाह, विनोद सिंह, संतोष चौरसिया, वसुमुदीन, मक़सूद कादरी आदि ने मांग की है।

प्रदेश में पहली बार जबलपुर में सीटीओ के जटिल मामलों पर उन्नत प्रशिक्षण, कठिन केसों का होगा उपचार

जबलपुर। गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल में 2 जून को मध्य प्रदेश एवं विदर्भ क्षेत्र के हृदय रोग विशेषज्ञों (कार्डियोलॉजिस्टों) के लिए एक विशेष उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में क्रॉनिक टोटल ऑक्लूज़न के जटिल मामलों के उपचार एवं नवीन तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।यह कार्यक्रम एकेडमी ऑफ कार्डियक साइंसेज, जबलपुर एवं गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज पटेल करेंगे, जबकि डॉ. सुदीप चौधरी, डॉ. सुनील जैन, डॉ. राहुल अशोकराव दारनुले, डॉ. सचिन गवंडे, सहयोगी विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता करेंगे।कार्यक्रम के दौरान सीटीओ के आठ जटिल मामलों का उपचार एवं प्रदर्शन किया जाएगा। ये ऐसे मरीज होंगे जिनमें पारंपरिक एंजियोप्लास्टी अथवा बायपास सर्जरी करना अत्यंत कठिन या संभव नहीं होता है। उन्नत तकनीकों के माध्यम से ऐसे मरीजों का सफल उपचार करने का प्रयास किया जाएगा।इस विशेष कार्यशाला के लिए जर्मनी से विश्वविख्यात इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट एवं विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. जेराल्ड वर्नर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वे जर्मनी के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी हार्ट सेंटर फ्रैंकफर्ट से जुड़े हुए हैं तथा एंजियोप्लास्टी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। वे विश्व के विभिन्न देशों में जाकर चिकित्सकों को जटिल CTO प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।प्रोफेसर डॉ. वर्नर ने ऐसे मरीजों के उपचार के लिए अनेक नवीन तकनीकों का विकास किया है, जिनकी हृदय धमनियां तीन माह या उससे अधिक समय से पूर्ण रूप से अवरुद्ध होती हैं तथा जिनका उपचार बायपास सर्जरी के माध्यम से भी संभव नहीं हो पाता। इन उन्नत तकनीकों की सहायता से बिना बायपास सर्जरी के भी कई जटिल मरीजों का सफल उपचार किया जा सकता है। यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि जबलपुर एवं महाकौशल क्षेत्र में पहली बार इस स्तर का उच्च स्तरीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इससे मध्य प्रदेश एवं विदर्भ क्षेत्र के कार्डियोलॉजिस्टों को नई तकनीकों को सीखने, जटिल मामलों के उपचार में दक्षता बढ़ाने तथा आधुनिक हृदय चिकित्सा की उन्नत विधियों से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा।

45 डिग्री तापमान पर ट्रेनी जूनियर इंजीनियरों ने ली ईआरएस टॉवर उपयोग की फील्ड ट्रेनिंग

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा ट्रेनी जूनियर इंजीनियरों को फील्ड कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण दिया गया। एमपी ट्रांसको के विभिन्न फील्ड कार्यालयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ट्रेनी जूनियर इंजीनियरों को गौरझामर-देवरी (सागर) अति उच्च दाब वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइन शिफ्टिंग कार्य स्थल पर फील्ड ट्रेनिंग कराई गई।

लगभग 45 डिग्री तापमान में नेशनल हाईवे पर ओवरब्रिज निर्माण के कारण ट्रांसमिशन लाइनों की शिफ्टिंग का कार्य इमरजेंसी रेस्टोरेशन सिस्टम (ईआरएस) टॉवर के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान प्रशिक्षु इंजीनियरों को ईआरएस टॉवर की कार्यप्रणाली, उपयोगिता तथा आपात परिस्थितियों में इसकी महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एक्स्ट्रा हाईटेंशन मेंटेनेंस संभाग दमोह के सहायक अभियंता एम.ए. बेग ने फील्ड पर ट्रेनी इंजीनियरों को एमपी ट्रांसको के "जीरो एक्सीडेंट" लक्ष्य के अनुरूप सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। साथ ही ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस की विभिन्न कार्यप्रणालियों से अवगत कराते हुए प्रशिक्षुओं की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

राज्य स्ट्रेंथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता में मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य स्ट्रेंथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन नेहरू स्टेडियम इंदौर में किया गया, इस प्रतियोगिता में जबलपुर के मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्कारधानी का नाम रोशन कर अपना परचम लहराया। इस प्रतियोगिता में मिशन हेल्थ क्लब की धनुश्री जाटव ने सबजूनियर वर्ग में स्ट्राँग वुमेन का खिताब जीता, सीमा मिश्रा मास्टर 2 में स्वर्ण पदक, राजा बाबू बाबरिया ने मास्टर में रजत पदक, बादल ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक, आस्था कोरी स्वर्ण पदक और जूनियर स्ट्राँग वुमेन, प्रांजल निगम स्वर्ण पदक और रजत पदक और जूनियर स्ट्राँग मेन, अमित झा स्वर्ण पदक, सुशील कुमार मिश्रा स्वर्ण पदक, हिमांशु पटेल स्वर्ण पदक, सरस्वती स्वर्ण पदक, मोही गुप्ता स्वर्ण पदक, सोनू रेकवार रजत पदक, जीतकर इन खिलाड़ियों ने संस्कारधानी का नाम रोशन किया। ये सभी खिलाड़ी कोच लॉरेंस मार्टिन के मार्गदर्शन में मिशन हेल्थ क्लब में अभ्यासरत हैं। इनकी इस उपलब्धि पर आलोक मिश्रा, मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, तजिन्द्र सिंह टीटू, लॉरेंस मार्टिन, दिनेश राव, सुनील पटेल, दीनू स्वामी, अनूप शर्मा, खूबचंद मलगानी, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, तेजभान सिंह, कुलदीप सिंह आदि ने बधाई दी है।

मिशन हेल्थ क्लब के खिलाड़ियों ने अपना परचम लहराया

मप्र से कमलनाथ को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजा ई-मेल

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कांडा ने बताया कि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री भारत सरकार में अनेक बार केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री रहे मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ को मध्यप्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार कांग्रेस द्वारा बनाया जाता है तो उसका फायदा 2028 विधानसभा चुनाव और 2029 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिलेगा, इस आशय का ई-मेल वरिष्ठ नेतृत्व को भेजकर अपील की गई कि कमलनाथ की राज्यसभा में उम्मीदवारी निश्चित की जाए, जिससे कार्यकर्ताओं के अंदर जोश और उमंग पैदा हो सके। श्री कमलनाथ को मप्र से राज्यसभा उम्मीदवार बनाने की अपील विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, दीपक सिंह राजपूत, रूपलाल यादव, ठा. उमेद्र सिंह, सरोज कांडा सहित अन्य ने की है।

ब्रह्म मुहूर्त में सूरज की किरणें भी करती हैं हरि नाम संकीर्तन का गुणगान

जबलपुर। श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम के तत्वावधान पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, पं. घनश्याम दुबे के सानिध्य में साप्ताहिक संकीर्तन श्रृंखला में गलगला शिव शक्ति दुर्गा मंदिर में प्रातः भव्य हरि नाम संकीर्तन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि नाम की महिमा तो सतयुग, द्वापर युग, त्रेतायुग और कलयुग इन चारों युगों में है, लेकिन कलियुग तो "हरे कृष्ण हरे राम" सबसे सुगम सर्वोपरि साधन है, भगवन्नाम ही सम्पूर्ण पापों का नाश करता है और प्रणाम सभी दुखों को शांत कर देता है। श्री हरि नाम संकीर्तन की अपार महिमा होने से उसके मानसिक जप का भी सम्पूर्ण प्राणियों पर प्रभाव पड़ता है और उससे सबका स्वाभाविक हित होता है; परंतु नाम-संकीर्तन का

प्रभाव वृक्ष, लता आदि स्थावर और मनुष्य, पशु, पक्षी आदि जंगम प्राणियों पर तो पड़ता ही है, निर्जीव-पत्थर, काष्ठ, मिट्टी, मकान आदि पर भी उसका प्रभाव पड़ता है, जहाँ हरि नाम संकीर्तन-जप, ध्यान, कथा, सत्संग आदि भगवत सम्बन्धी बातें हो रही हों, वहाँ जाने से शान्ति मिलती है, पवित्रता आती है, जीवन पर स्वाभाविक एक विलक्षण प्रभाव पड़ता है; परंतु इसकी अपेक्षा भी कीर्तन-प्रेमी पर नाम-संकीर्तन का विशेष प्रभाव पड़ता है। नाम-संकीर्तन में संकीर्तन सुनने वाले और देखने वाले दोनों पर ही संकीर्तन का प्रभाव पड़ता है। भगवान के दर्शन का जैसा प्रभाव पड़ता है, वैसा ही प्रभाव कीर्तन प्रेमी भक्त पर संकीर्तन का पड़ता है। जहाँ समस्त भक्तवृन्दों द्वारा राधा कृष्ण नाम, श्यामा लाडली राधा रानी की भक्ति रस में नाचते-गाते पुष्प वर्षा कर आदि शक्ति मां जगदम्बा, भगवान राधा कृष्ण की महाआरती की गई।

इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य पं. देवेंद्र त्रिपाठी, राजकुमार दुबे, शुभम द्विवेदी, सत्यप्रकाश नामदेव, केएल दीक्षित, सुरेन्द्र गिरी, मनोज गुलाबवानी, विशाल पंड्या, अमित विश्नोई, राजू पहाड़िया, राजेंद्र सोनी, सत्यनारायण दुबे, राजेश असाटी, मोनी विश्वकर्मा, नरेश कहार, देवव्रत सोनी, रामबाबू गुप्ता, शिवम नामदेव, मोहित तिवारी, प्रशांत जायसवाल, हरीश, नरेश गुजराती, राजेंद्र कसेरा, अतुल पटेल, देवेंद्र नेमा आदि उपस्थित रहे।

निधन

श्रीमती नीतू सेन- जेसू पावर हाउस के पास सिविल लाइन निवासी श्री अनिल सेन की धर्मपत्नी श्रीमती नीतू सेन (31) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरेश चक्रवर्ती- सेठी नगर पानी की टंकी के पास निवासी श्री नरेश चक्रवर्ती का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री अर्जुन सिंह तोमर- आकर्ष एनक्लेव विजयनगर निवासी श्री अर्जुन सिंह तोमर (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मूलचंद लडिया- सिद्धबाबा वार्ड आशा चक्की के पास निवासी श्री मूलचंद लडिया (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नंद कुमार शुक्ला- वैशाली परिसर नर्मदा रोड निवासी श्री नंद कुमार शुक्ला (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेंद्र जैन- गंगानगर गढ़ा निवासी श्री महेंद्र जैन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार चौहानी श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सतीश खेते- इंद्रा नगर सुहागी निवासी श्री सतीश खेते (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राहुल सेठी- कृपाल चौक के पास गुप्तेश्वर निवासी श्री राकेश सेठी के पुत्र श्री राहुल सेठी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रीना सर्वना पिल्ले- नेपियर टाउन स्थित आर्य समाज मार्केट के पास निवासी श्री सर्वना पिल्ले की धर्मपत्नी श्रीमती रीना सर्वना पिल्ले (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बद्री प्रसाद साहू- सिद्धबाबा वार्ड साहू मोहल्ला निवासी श्री ब्रदी प्रसाद साहू (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेश कुमार कश्यप- फूटाताल दुर्गा चौक निवासी श्री सुरेश कुमार कश्यप (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

मनुष्य शरीर भक्ति तथा ज्ञान प्राप्त करने का सर्वश्रेष्ठ साधन : दीदी सुप्रियाजी

जबलपुर। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर गढ़ाफाटक स्थित जगदीश मंदिर, जबलपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस कथा वाचिका सुश्री सुप्रिया दुबे "कृष्णप्रिया" श्रीधाम वृंदावन द्वारा कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा गया कि मनुष्य शरीर भक्ति तथा ज्ञान प्राप्त करने का सर्वश्रेष्ठ साधन है। विष्णु के वराह अवतार की कथा श्रवण कराते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण सारे जगत के पालनहार हैं, वे इस जगत के समस्त जीवों के कल्याण के लिए अवतरित होते हैं। उन्होंने बताया कि पुरातन समय में दैत्य हिरण्याक्ष ने जब पृथ्वी को समुद्र में छुपा दिया था तब भगवान विष्णु वाराह रूप में प्रकट हुए। कथा प्रारंभ के पूर्व मुख्य यजमान उमाशंकर साहू, यशोदा साहू, सावित्री रैकवार, अभिषेक सोनी एवं सुनील साहू ने व्यास पीठ का पूजन अर्चन किया। कथा मार्गदर्शक डॉ. अरुण मिश्रा, विकास त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा प्रतिदिन 05 से 8:00 बजे तक आयोजित की जा रही है। 05 जून को हवन, भंडारे के साथ कथा का समापन होगा। इस अवसर पर जगदीश मंदिर के प्रधान पुजारी देवेंद्र त्रिपाठी, नारायण शर्मा, विकास पांडे, सत्येंद्र शर्मा, सत्येंद्र अग्रवाल, जितेन्द्र गुप्ता, सुलोचना गुप्ता, साहिल गुप्ता, श्याम गुप्ता, शशांक गुप्ता, अमित रजक, शरद बर्मन, ब्राम्हण स्वयंवर संस्कार महासभा की महिला प्रदेश वरिष्ठ प्रभारी भगवती भारद्वाज, प्रदेश अध्यक्ष मीरा दुबे एवं मिथलेश/अरुण तिवारी, वनिता/ योगेन्द्र मालवीय अमित/ सोनल मिश्रा, देव सिंह उइके, यदुवंश मिश्रा, डी.के. महाराज ने व्यास पीठ से आशीर्वाद प्राप्त कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने सभी को सम्मानित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संस्कारधानी के गणमान्य श्रद्धालु, जनमानस उपस्थित थे।

सनक या रंजिश की बलि चढ़ीं तीन मासूम जिंदगियां

मां ने पहले आशियाने को फूंका, फिर तीन बेटियों को जहर चटाकर खुद भी चुन ली मौत!

पपौंध के हिरवार गांव में सामूहिक हत्याकांड और सुसाइड, दम तोडने से पहले 7 साल की रितिका ने खोला मां का खौफनाक राज, एक ही खेत में एक साथ दफन हुईं चार लाशें

शहडोल। जिले के दूरस्थ पपौंध थाना क्षेत्र के हिरवार गांव से एक ऐसा हृदयविदारक और रूह कपा देने वाला महापाप सामने आया है, जिसने ममता शब्द को शर्मसार करने के साथ ही पूरे संभाग को झकझोर कर रख दिया है। एक मां के सिर पर खून और सनक का ऐसा भूत सवार हुआ कि उसने अपनी तीन मासूम और लाचार बेटियों के साथ मौत का वो खौफनाक खेल खेला, जिसे सुनकर किसी भी पत्थर दिल इंसान का कलेजा मुंह को आ जाए। अज्ञात कारणों और गहरे पारिवारिक विवाद के चलते एक मां ने पहले तो अपनी ही गृहस्थी और आशियाने को आग के हवाले किया और फिर तड़पती लपटों के बीच अपनी ही तीन नन्हीं परी जैसी बेटियों को जबरन जहरीला कीटनाशक चटाकर मौत की नींद सुला दिया। इस सामूहिक हत्याकांड को अंजाम देने के बाद कलयुगी मां ने खुद भी जहर गटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस एक जिद और सनक ने हंसते-खेलते पूरे परिवार को श्मशान बना दिया।

आग की लपटें देख दौड़े थे पड़ोसी

दिल दहला देने वाली इस घटना की शुरुआत दोपहर के वक्त हुई। मृतिका अनीता सिंह उम्र 32 वर्ष अपने प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान में अपनी तीन मासूम बेटियों रितिका उम्र 7 वर्ष, कृष्णकुमारी उम्र 4 वर्ष और अर्पिता उम्र 2 वर्ष के साथ अकेली थी। उसका पति पेशे से ड्राइवर है जो परिवार के पेट पालने के लिए परदेश (दूसरे राज्य) में नौकरी करने गया हुआ था। इसी सूनेपन और सनक का फायदा उठाते हुए अनीता ने घर का सारा राशन, कपड़ा और गृहस्थी का सामान एक जगह इक्ट्ठा किया और उसमें आग लगा दी। दोपहर में अचानक घर से धुएं का गुबार और ऊंची लपटें उठती देख पड़ोसियों के होश उड़ गए। ग्रामीण जब तक दरवाजा तोडक़र अंदर घुसे, तब तक पूरा घर जलकर स्वाहा हो चुका था और कमरे के एक कोने में मां सहित तीनों मासूम बच्चियां जिंदगी और मौत के बीच बुरी तरह तड़प रही थीं। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए चारों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन काल के गाल में समा चुकी दो मासूम बच्चियों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं मां अनीता और बड़ी बेटी रितिका की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हुई।

मां ने जबरन चटाया जहर

इस पूरी रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात का सबसे सनसनीखेज और मार्मिक खुलासा तब हुआ, जब सबसे आखिरी में दम तोडने से पहले 7 साल की मासूम रितिका ने पुलिस के सामने अपनी मां के उस खौफनाक चेहरे को बेनकाब किया। रितिका ने कांपते होठों और टूटती सांसों के बीच पुलिस को आपबीती सुनाते हुए बताया कि मां ने पहले पूरे घर के सामान में आग लगाई और फिर हम तीनों बहनों को पकडक़र एक-एक करके जबरन मुंह में कड़वा कीटनाशक (जहर) चटा दिया। बताया जा रहा है कि महिला ने जिस खतरनाक कीटनाशक का इस्तेमाल किया था, वह जीभ पर रखते ही अपना जानलेवा असर दिखाता है। रितिका के इस आखिरी बयान के कुछ ही देर बाद उसकी भी आंखें हमेशा के लिए बंद हो गईं।

अपने ही खेत में एक साथ दफन हुईं चार लाशें

पोस्टमार्टम के बाद जब चारों शवों को अंतिम संस्कार के लिए वापस गांव लाया गया, तो वहां का मंजर देखकर हर किसी की रूह कांप उठी। पारिवारिक परंपरा और रीति-रिवाजों के मुताबिक, मां अनीता और उसकी तीनों मासूम बेटियों को मुखाग्नि देने के बजाय घर के ही पास स्थित उनके अपने खेत में एक साथ दफनाया गया। एक ही कतार में खोदे गए चार गड्ढों में जब मां और उन तीन मासूमों को सुपुर्द-ए-खाक किया जा रहा था, तब वहां मौजूद ग्रामीणों की आंखें छलक पड़ीं और पूरा माहौल चीत्कारों से गूंज उठा। जिन मासूमों को कुछ दिन पहले तक ग्रामीण उसी खेत में खेलते-कूदते देखते थे, आज वे हमेशा के लिए उसी मिट्टी के नीचे दफन हो गईं।

परिवार में बना रहता था तनाव

पपौंध पुलिस की तफ्तीश आगे बढ़ रही है, इस खौफनाक कदम के पीछे छिपी कड़वी पारिवारिक हकीकत और महिला का उग्र स्वभाव भी सामने आने लगा है। स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों से पूछताछ में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि अनीता बेहद गुस्सैल, अडियल और उग्र स्वभाव की महिला थी। वह बात-बात पर अपने बूढ़े सास-ससुर से झगड़ा करती थी और अपने पति पर इस बात का लगातार दबाव बनाती थी कि वह अपने बूढ़े मां-बाप को खर्च के लिए फूटी कौड़ी भी न दे और उनसे पूरी तरह नाता तोड़ ले। इसी जिद को लेकर परिवार में भारी तनाव बना रहता था।

सबूत मिटाने के लिए मोबाइल के किए टुकड़े

अनीता के सिर पर आत्महत्या से ठीक पहले किस कदर पागलपन सवार था, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जहर खाने और आग लगाने से पहले उसने अपना खुद का मोबाइल फोन पटक-पटक कर चकनाचूर कर दिया। पुलिस को जले हुए मलबे से मोबाइल के टूटे अवशेष मिले हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि मोबाइल तोडने के पीछे मृतिका की मंशा यह थी कि उसकी आखिरी कॉल डिटेल, मैसेज या किसी से हुआ आखिरी विवाद पुलिस के हाथ न लग सके और कोई उससे संपर्क न कर पाए।

साइबर सेल की मदद से जवाब ढूंढेगी पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए पपौंध थाना प्रभारी बृजेंद्र मिश्रा ने बताया कि मर्ग कायम कर मामले की हर एंगल से कड़ाई से जांच की जा रही है। मृतिका के पति को सूचना दे दी गई है, उसके आने पर विस्तृत बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके साथ ही, पुलिस अब महिला के टूटे हुए मोबाइल के अवशेषों को फॉरेंसिक और साइबर सेल की जांच के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। ताकि यह साफ हो सके कि इस आत्मघाती और जानलेवा कदम को उठाने से ठीक पहले उसका किससे आखिरी विवाद हुआ था। बहरहाल, इस दर्दनाक घटना ने समाज की सोच और पारिवारिक ताने-बाने पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नौतपा में मेघों की मेहरबानी, अमरकंटक बना शीतल स्वर्ग

सात दिनों में पांच दिन बरसे बादल, 31 डिग्री तापमान ने दी गर्मी से मात

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

सामान्यतः नौतपा का नाम आते ही प्रचंड गर्मी, झुलसाती धूप और तपती हवाओं की कल्पना मन में उभरती है, किंतु इस वर्ष प्रकृति ने पावन नगरी अमरकंटक पर विशेष कृपा बरसाई है। नौतपा के सातवें दिन यहां का मौसम पूरी तरह बदला हुआ दिखाई तापमान मात्र 31 डिग्री सेल्सियस :सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 26 रहने से वातावरण अत्यंत स्वच्छ, निर्मल और स्वास्थ्यवर्धक बना रहा। इस वर्ष नौतपा के सात दिनों में से पांच दिन वर्षा होने से गर्मी का प्रभाव लगभग समाप्त हो गया। बीच-बीच में तेज आंधी, गरज-चमक और वर्षा के कारण मौसम लगातार सुहावना बना रहा। नौतपा के प्रारंभिक दिनों में तापमान एक बार 39 डिग्री सेल्सियस तक अवश्य पहुंचा, लेकिन उसके बाद मौसम ने ऐसी करवट ली कि तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई। बारिश और ठंडी हवाओं ने संपूर्ण अमरकंटक क्षेत्र को प्राकृतिक शीतलता से भर दिया है। सुबह और शाम की मनोहारी ठंडक लोगों को पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षित कर रही है। गर्मी का एहसास लगभग समाप्त हो जाने से पर्यटक, श्रद्धालु तथा स्थानीय नागरिक राहत और आनंद का अनुभव कर रहे हैं। नर्मदा उद्गम, कपिलधारा, दुग्धधारा, सोनमूड़ा तथा अन्य दर्शनीय स्थलों

पर इन दिनों बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। बादलों की छांव, पर्वतीय हरियाली और शीतल हवाओं का संगम अमरकंटक की सुंदरता को और भी निखार रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य के इस अद्भुत दृश्य का आनंद लेने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंच रहे हैं। नौतपा के अब केवल दो दिन शेष हैं। ऐसे में लोगों की निगाहें मौसम के अगले रुख पर टिकी हुई हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम दिनों में तापमान बढ़ता है, स्थिर रहता है अथवा वर्षा का सिलसिला जारी रहकर मौसम को और अधिक सुहावना बना देता है। फिलहाल अमरकंटक में प्रकृति की यह मेहरबानी लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रही है। भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार नौतपा के दौरान पड़ने वाली तीव्र गर्मी मैदानी क्षेत्रों में निम्न वायुदाब का क्षेत्र तैयार करती है। यही कम दबाव मानसूनी हवाओं को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जितनी अधिक गर्मी पड़ेगी, उतना ही मजबूत निम्न दबाव क्षेत्र बनेगा और मानसून की सक्रियता बेहतर होगी।

पति बोला पत्नी को उठा ले गए, पत्नी ने वीडियो जारी कर कहा- मेरे पति पर बनाया जा रहा दबाव, वीडियो और आरोपों के बीच उलझा मामला

रीवा। गंगेव जनपद पंचायत की राजनीति इन दिनों किसी राजनीतिक थ्रिलर से कम नहीं दिख रही है। अध्यक्ष पद की कुर्सी बचाने और गिराने की कथित सियासी जंग के बीच एक महिला जनपद सदस्य और उसके पति को लेकर ऐसा विवाद सामने आया है, जिसने पूरे जिले की राजनीति में हलचल मचा दी है। एक ओर पति ने अपनी पत्नी के अपहरण का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है, वहीं दूसरी ओर महिला जनपद सदस्य का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह खुद को सुरक्षित बताते हुए अपने पति पर दबाव बनाए जाने की बात कह रही है। मामले की शुरुआत उस समय हुई जब महिला जनपद सदस्य के पति अमृतलाल नामदेव ने पहले मनगवां थाने और बाद में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया गया है और इसके पीछे गंगेव जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी जब बड़जस्ती उनकी पत्नी को घर से अपहरण करके ले गया है। जनपद अध्यक्ष पद को बचाने के लिए उनकी पत्नी को उनके संपर्क से दूर रखा गया है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर पत्नी को सुरक्षित वापस लाने की मांग की है।

शिकायत के बाद सामने आया महिला जनपद सदस्य का वीडियो

पति की शिकायत के कुछ ही समय बाद महिला जनपद सदस्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। वीडियो में महिला ने अपने पति द्वारा लगाए गए आरोपों को अलग नजरिए से प्रस्तुत किया। वीडियो में महिला ने कहा कि वह सुरक्षित है और उस पर किसी प्रकार का दबाव नहीं है। इसके साथ ही उसने दावा किया कि राजनीतिक कारणों से उसके और उसके पति पर दबाव बनाया जा रहा है। महिला ने यह भी कहा कि कुछ लोग उन्हें राजनीतिक रूप से प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि वीडियो सामने आने के बाद भी विवाद कम नहीं हुआ, बल्कि और गहरा गया।

सियासत के केंद्र में बना पति-पत्नी का विवाद

गंगेव जनपद पंचायत में पिछले कुछ समय से अध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज बताई जा रही हैं। जनपद के भीतर विभिन्न गुट सक्रिय हैं और सत्ता संतुलन को लेकर लगातार रणनीतियां बनाई जा रही हैं। इसी बीच एक जनपद सदस्य और उसके पति का विवाद अचानक राजनीतिक रंग लेता दिखाई दे रहा है। पूरा घटनाक्रम को अध्यक्ष पद बचाने और गिराने की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

भालू के हमले से दो महिलाएं घायल

अनूपपुर। रविवार की सुबह जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत धनगवां के पटपरिहा टोला में दो महिलाएं जो सुबह दिशा मैदान के लिए घर से कुछ दूर खेत की ओर गई रही तभी अचानक जंगल की ओर से आकर विचरण कर रहा एक भालू ने दोनों पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया घायलों में 35 वर्षीय गुड्डी पति गोरेलाल कोल के कमर में तथा 65 वर्षीय वृद्धा तिजिया पति रामबदन कोल के चेहरा, छाती एवं शरीर के अन्य हिस्सो पर चोट आई है। घटना के बाद ग्रामीणों के इकट्ठा होकर हो-हल्ला करने पर भालू जंगल की ओर चला गया। ग्राम पंचायत धनगवां सरपंच संजय गोठिया द्वारा मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को फुनगा अस्पताल भेजा है घटना की जानकारी मिलने पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक ने शशिधर अग्रवाल ने फुनगा के सामाजिक कार्यकर्ता नारेंद्र प्रताप सिंह एवं उमेश अग्रवाल से आग्रह करने पर दोनो समाजसेवी फुगना अस्पताल पहुंचकर दोनों घायलो की स्थिति को देखकर परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली अग्रवाल द्वारा उपवन मंडल अधिकारी अनूपपुर प्रकाश मनोहर राव पखाले, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा हरीश कुमार तिवारी को घटना की जानकारी देते हुए उचित कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा की है, दोनों घायलों का इ्यूटी डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर को रेफर किया है।

जमीन पर कब्जे को लेकर खूनी संघर्ष, लाठी-डंडों से हमला

रीवा। जिले के डभौरा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद में लाठी-डंडे चल गए, जिससे एक ही परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में पति, पत्नी और उनकी बेटी शामिल हैं, जिन्हें उपचार के लिए संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय रीवा में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। पीड़ित पक्ष के विमलेश बंसल ने बताया कि उनका और भैयालाल बंसल के परिवार के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि विरोधी पक्ष द्वारा उनकी भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। इसी विवाद को लेकर शनिवार को फिर से तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। जानकारी के अनुसार, विवादित भूमि पर कथित रूप से कब्जा किए जाने की सूचना मिलने पर कमलाकर बंसल, उनकी पत्नी और बेटी मौके पर पहुंचे तथा इसका विरोध किया। आरोप है कि विरोध करने से नाराज दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में कमलाकर बंसल, उनकी पत्नी तथा बेटी घायल हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घर में बनी दाल खाने से एक ही परिवार के 6 लोग बीमार, जिला अस्पताल रेफर

छतरपुर। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम बंधवार में घर में बनी चने और उड़द की दाल खाने के बाद एक ही परिवार के छह लोगों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर पहले बड़ामलहरा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर बनी चने और उड़द की दाल का सेवन किया था। इसके कुछ समय बाद सभी की तबीयत अचानक खराब होने लगी और उन्हें लगातार उल्टी-दस्त होने लगे। सूचना मिलते ही परिजन सभी को तत्काल बड़ामलहरा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पूरे दिन उनका उपचार किया गया। हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने और स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने सभी मरीजों को जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में सभी का उपचार जारी है और डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

घायलों में देशपाल सिंह बुंदेला (35), अनन्या राजा (13), राज राजा (12), गोलू राजा (10), हीरा राजा (35) एवं उमा राजा (40) निवासी ग्राम बंधवार शामिल हैं। प्रारंभिक तौर पर मामला फूड पॉइजनिंग का माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

खराब हो रही सड़के, प्रतिदिन हो रहे हादसे

57 दिन से बंद है बायपास, चार बार बढ़ाई जा चुकी है समय सीमा, शहर की सड़कों पर बढ़ा दबाव

रीवा। शहर के यातायात का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग माने जाने वाले रीवा बायपास के शुरू होने की तारीख लगातार आगे बढ़ा रही है। 4 अप्रैल से बंद पड़े बायपास को लेकर निर्माण एजेंसी केसीसी कंपनी द्वारा लगातार समय-सीमा बढ़ाई जा रही है। अब तक चार बार बाइपास चालू करने की तारीख बदली जा चुकी है। हाल ही में कमिश्नर कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में केसीसी कंपनी के अधिकारियों ने 31 मई से बायपास पर यातायात शुरू करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद प्रशासन को उम्मीद थी कि लंबे समय से चली आ रही समस्या समाप्त हो जाएगी, लेकिन कंपनी ने एक बार फिर नई जानकारी देते हुए कहा कि बायपास को सीधे शुरू करने के बजाय पहले तीन दिन तक तकनीकी परीक्षण (टेस्टिंग) की जाएगी। इसके बाद ही यातायात बहाल करने पर निर्णय लिया जाएगा। लेकिन 31 में को शुरू होने वाले टेस्टिंग को भी प्रारंभ नहीं किया गया।

ये मार्ग हो गए खस्ताहाल

विशेष रूप से बोदा अजगरहा मार्ग की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है। लगातार भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क

जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो गई है। सड़क पर चलना जोखिम भरा हो गया है और आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाइपास बंद होने का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है, जबकि सड़क सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इधर माडल रोड से भारी वाहनों के दबाव के चलते सड़क की स्थिति खराब होने लगी है। दिन भर इस मार्ग में जाम लगता है। बोदा अजगरहा और आसपास के गांवों के लोगों ने का ध्यान सड़क की खराब स्थिति

की ओर आकर्षित कराया है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी और प्रशासन के बीच समन्वय की कमी का खामियाजा जनता भुगत रही है।

कई बार मिल चुकी तारीख

बाइपास निर्माण और मरम्मत कार्य को लेकर पहले भी कई बार समय सीमा घोषित की गई, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से इसे आगे बढ़ा दिया गया। इससे वाहन चालकों का भरोसा भी कमजोर पड़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि कार्य पूरा नहीं हुआ था तो बार-बार तारीख घोषित करने की बजाय वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए थी।टेस्टिंग रिपोर्ट का किया जा रहा इंतजारअब प्रशासन की निगाहें अगले तीन दिनों की टेस्टिंग पर टिकी हैं। यदि परीक्षण सफल रहता है तो जून के पहले सप्ताह में बाइपास पर यातायात बहाल हो सकता है। हालांकि लगातार बढ़ती समय-सीमा और अधूरी घोषणाओं के कारण लोग अभी भी संशय में हैं। बाइपास बंद होने का सबसे बड़ा असर शहर की आंतरिक सड़कों पर दिखाई दे रहा है। भारी वाहन, ट्रक और लंबी दूरी के यात्री वाहन अब शहर के भीतर से गुजरने को मजबूर हैं। इसके कारण ट्रैफिक दबाव बढ़ गया है और कई प्रमुख मार्ग तेजी से खराब हो रहे हैं।

1997 में जिस समंदर ने भारत को सूखे से बचाया था, 2026 में वो है खामोश

भारत में मानसून को लेकर इस साल नई चिंता सामने आई है। वैज्ञानिकों ने भी चेतावनी जारी कर दी है कि इस साल भारत के मानसून पर अल नीनो का सबसे खतरनाक असर दिख रहा है। जब भी अल नीनो आता है, भारत के लिए परेशानी का कारण बनता है।

नई दिल्ली। अगर अल नीनो का असर भारत पर पड़ता है, तो सीखे की स्थिति बढ़ सकती है। लेकिन, इस बार स्थिति थोड़ा अलग है। साल 2026 में आने वाले अल नीनो को लेकर ही चिंता नहीं है, बल्कि वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी टेंशन है हिंद महासागर का खामोश बैठना।

आमतौर पर जब भी प्रशांत महासागर में अल नीनो एक्टिव होता है, तो भारत में सूखा पड़ने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। लेकिन, साल 1997 में इतिहास का सबसे खतरनाक अल नीनो आने के बाद भी भारत में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई थी। ऐसा इसलिए हुआ था क्योंकि हमारे अपने हिंद महासागर ने ढाल बनकर मानसून बचाया था। लेकिन, इस बार कहानी पूरी तरह से अलग है। डेटा बता रहा है कि 2026 में हिंद महासागर पूरी तरह शांत बैठा है, जिससे भारत के पास अल नीनो से लड़ने का कोई बैकअप प्लान नहीं बचा है।

अल नीनो के खतरे ने बढ़ाई आईएमडी की टेंशन

क्या है अल नीनो

प्रशांत महासागर में जब भी पूरब से पश्चिम चलने वाली हवाएं कमजोर होती हैं, तो समुद्र का गर्म पानी दक्षिण अमेरिका के तटों की ओर जमा होने लगता है। पानी के इस तरह गर्म होने की घटना को अल नीनो कहते हैं। इसका सीधा असर भारत के मानसून पर पड़ता है। मानसून का नियम है, जब गर्मियों में भारत की जमीन तपती है, तो हिंद महासागर से नमी वाली ठंडी हवाएं खिंची चली आती हैं और बारिश होती है। लेकिन, अल नीनो इस पूरे सिस्टम को खराब करने का काम करता है। अल नीनो बादलों और नमी को भारत से दूर प्रशांत महासागर की ओर खींच लेता है, जिससे भारत में बारिश कम होती है। आंकड़ों के अनुसार 1951 से 2022 के बीच 60% अल नीनो वाले सालों में भारत में सूखा या कम बारिश हुई है।

हिंद महासागर बना था ढाल

जब अल नीनो मानसून को कमजोर करने की कोशिश करता है, तो हिंद महासागर एक्टिव हो जाता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में इंडियन ओशन डाइपोल कहा जाता है। इसमें अफ्रीका के पास का समंदर गर्म हो जाता है और इंडोनेशिया के पास का पानी ठंडा रहता है। यह स्थिति दो प्रकार की होती है। पॉजिटिव आईओडी और नेगेटिव आईओडी।

पॉजिटिव आईओडी

यह स्थिति भारत के लिए एक वरदान की तरह काम करती है, क्योंकि यह मानसून की हवाओं को दोगुनी ताकत से भारत की ओर धकेलता है। 1997 में इसी पॉजिटिव आईओडी ने अल नीनो के असर को पूरी तरह खत्म कर दिया था।

किसानों की बढ़ सकती है मुसीबत

सितंबर के महीने में अल नीनो का असर सबसे खतरनाक होगा। यह वही महीना है जब किसानों की फसल धान, दालें, कपास और तिलहन पकने की कगार पर होती हैं। वैज्ञानिक इसे ग्रेन-फिलिंग स्टेज कहते हैं, जिसमें पौधों के दानों में न्यूट्रिएंट्स भरते हैं। इस समय फसलों को सबसे ज्यादा पानी की जरूरत होती है। अगर सितंबर में बारिश रुकी, तो पूरी की पूरी तैयार फसल बर्बाद हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए आईएमडी ने मानसून का अनुमान घटाकर 90% कर दिया है, जो सामान्य से कम की श्रेणी में आता है। इस साल सूखा पड़ने की आशंका 60% तक बढ़ गई है, जो आम सालों में महज 16% होती है।

रोचक खबरें

भारत में अनोखा पानी में तैरने वाला चर्च, हर 6 महीने में बदलता है रंग

बेंगलुरू। कर्नाटक की हरी-भरी वादियों के बीच एक ऐसी रहस्यमयी जगह मौजूद है, जिसे देखकर पहली नजर में यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यह है शेट्टीहल्ली रोजरी चर्च, जो हर मानसून में पानी के बीच अकेला खड़ा दिखाई देता है। चारों तरफ फैला गहरा पानी, टूटी हुई पुरानी दीवारें और सन्नाटे से भरा माहौल इस जगह को किसी हॉलीवुड हॉरर फिल्म जैसा बना देता है। यही वजह है कि लोग इसे फ्लोटिंग चर्च और कर्नाटक का हॉन्टेड चर्च तक कहने लगे हैं। हालांकि, इस चर्च की असली पहचान इसकी डरावनी कहानियों में नहीं, बल्कि इसके शानदार इतिहास और अनोखी खूबसूरती में छिपी है।

इस चर्च का निर्माण 1860 के दशक में फ्रांसीसी मिशनरियों ने करवाया था। उस समय यह चर्च इलाके में रहने वाले ब्रिटिश एस्टेट मालिकों और स्थानीय ईसाई समुदाय के लिए प्रार्थना का मुख्य केंद्र हुआ करता था। फ्रेंच गोथिक शैली में बने इस चर्च की ऊंची मेहराबें, पत्थरों पर की गई नक्काशी और बड़ी-बड़ी खिड़कियां इसकी भव्यता को अलग पहचान देती थीं. हेमावती नदी के किनारे बना यह चर्च कभी लोगों की प्रार्थनाओं और धार्मिक गतिविधियों से गुलजार रहता था। लेकिन, 1960 के दशक में इसकी किस्मत पूरी तरह बदल गई। हेमावती बांध बनने के बाद आसपास का इलाका धीरे-धीरे जलाशय में बदलने लगा। पानी का स्तर बढ़ने से गांव खाली कराए गए और लोगों को दूसरी जगह बसना पड़ा। इसी के साथ यह चर्च भी वीरान हो गया। समय के साथ इसकी छत गिर गई, दीवारें टूटने लगीं, लेकिन इसके विशाल खंभे और मेहराब आज भी मजबूती से खड़े हैं। मानसून के मौसम में यह चर्च आधा पानी में डूब जाता है। दूर से देखने पर ऐसा लगता है मानो कोई पुरानी इमारत झील के ऊपर तैर रही हो. वहीं सर्दियों में पानी कम होने पर लोग पैदल यहां तक पहुंच सकते हैं।

दुनिया का अनोखा आइलैंड, जहां है सुअरों का राज! समुद्र में टूरिस्ट के साथ लगाते हैं गोते

नासाउ। दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो अपनी अनोखी खासियतों की वजह से लोगों को हैरान कर देती हैं। ऐसी ही एक जगह बहामास के एक्जुमा इलाके में मौजूद पिग आइलैंड है, जहां इंसानों से ज्यादा सुअर रहते हैं। इस द्वीप की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां के सुअर समुद्र में तैरते नजर आते हैं। यही वजह है कि दुनियाभर से हजारों टूरिस्ट सिर्फ इन स्विमिंग पिग्स को देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। नीले समंदर के बीच बसे इस छोटे से आइलैंड पर सुअरों की बड़ी आबादी रहती है। पर्यटक नावों के जरिए यहां पहुंचते हैं और सुअरों के साथ पानी में उतरकर तस्वीरें खिंचवाते हैं। कई लोग इन्हें खाना खिलाते हैं, जबकि कुछ टूरिस्ट मस्ती-मजाक में इन्हें ड्रिंक्स तक ऑफर करते नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर इस जगह के वीडियो और तस्वीरें अक्सर वायरल होते रहते हैं। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस निर्जन आइलैंड पर इतने सारे सुअर आए कहां से? इसे लेकर कई कहानियां मशहूर हैं। एक कहानी के अनुसार, सालों पहले कुछ नाविक लंबी समुद्री यात्रा पर निकले थे। उन्होंने रास्ते में खाने के लिए सुअरों को इस द्वीप पर छोड़ दिया था, ताकि लौटने पर उनका इस्तेमाल कर सकें। लेकिन, वे नाविक कभी वापस नहीं आए और सुअर यहीं बस गए।वहीं, दूसरी कहानी यह बताती है कि कई दशक पहले इस इलाके के पास एक जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस जहाज से कुछ सुअर बचकर तैरते हुए इस द्वीप तक पहुंच गए। बाद में प्रजनन के कारण इनकी संख्या तेजी से बढ़ती चली गई और पूरा आइलैंड इनका घर बन गया। टूरिस्टों के लिए यह जगह किसी रोमांच से कम नहीं है। समुद्र में तैरते सुअरों को देखना लोगों के लिए बेहद अनोखा अनुभव माना जाता है। लेकिन, दूसरी तरफ एनिमल एक्सपर्ट्स इस ट्रेंड को लेकर चिंता भी जता रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार इंसानी संपर्क और गलत खानपान इन जानवरों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। कई बार टूरिस्ट बोट्स से सुअरों को चोट भी लग जाती है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया कि यहां सात सुअरों की मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि उन्होंने बड़ी मात्रा में रेत निगल ली थी, जिसकी वजह से उनकी जान चली गई। इसके अलावा तेज धूप और गर्म रेत भी इनके स्वास्थ्य पर असर डालती है।

सावधानी बरतने की जरूरत

हालांकि, ये सुअर अब इंसानों के बीच काफी सहज नजर आते हैं, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि वे पूरी तरह जंगली हैं। पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जब कुछ सुअरों ने पर्यटकों को काट लिया था। ऐसे में यह आइलैंड जितना खूबसूरत और अनोखा दिखता है, उतना ही सावधानी की भी मांग करता है।

ब्रह्मांड के इस कोने में छिपा है विशालकाय ब्लैक होल! तारों के साथ कर रहा लुका-छिपी

हमारा ब्रह्मांड अपने भीतर कई राज छिपाए हुए हैं। दुनियाभर के वैज्ञानिक आए दिन इसमें कुछ न कुछ नया खोजते रहते हैं। हाल ही में एस्ट्रोनॉमर्स ने ब्रह्मांड के पास सबसे ज्यादा स्टडी की गई गैलक्सी मर्जर्स में से एक, एंटेना गैलक्सी के अंदर पहले से छिपे एक विशालकाय ब्लैक होल के सबूत का पता लगाया है।

वॉशिंगटन। रिसर्च के निष्कर्षों से पता चलता है कि मर्ज हो रही गैलक्सी एनजीसी 4039 के अंदर एक घनी ऊर्जा पैदा करने वाला ब्लैक होल हो सकता है, जो इंटेंस स्टार फॉर्मेशन एक्टिविटी के चलते छिपा हुआ है।

इस छोटी सी हलचल ने खोला राज

क्या है एंटेनी गैलक्सी?

धरती से लगभग 7 करोड़ लाइट ईयर्स दूर स्थित एंटेनी गैलक्सी 2 गैस रिच गैलक्सी के मर्ज होने के पता लगने का नया उदाहरण है। इनका नाम टक्कर से निकलने वाले तारों, गैस और धूल की लंबी धाराओं से पड़ा है, जो किसी कीड़े के एंटेना जैसी दिखती हैं। स्पेस एजेंसी नासा के मुताबिक यह मर्जर कुछ 100 मिलियन सालों पहले शुरू हुआ था। इसने तेजी से स्टार फॉर्मेशन को गति दी, जिससे हजारों यंग स्टार्स ग्रुप और अरबों नए तारे बने हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि गैलक्सी धीरे-धीरे एक बड़े सिंगल सिस्टम में बदल जाती है।

ध्यान क्यों आकर्षित कर रहा है सोर्स एस4?

इस स्टडी में एनजीएस 4039 के सेंटर के पास एस 3 और एस 4 नाम के 2 सोर्स पर फोकस किया गया। एस 3 असामान्य रूप से चमकीला दिखा, लेकिन इसमें कोई अहम बदलाव नहीं दिखा। यह एक युवा, विशाल तारा समूह से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, एस 4 ने केवल 13 दिनों में चमक में बदलाव किया। तेजी से हुए इस बदलाव के चलते एमिटिंग एरिया 13 लाइट डेज से भी कम या तकरीबन 0.01 पारसेक के आकार तक सीमित हो जाता है। रिसर्चर्स के मुताबिक, यह क्षेत्र इतना घना है कि इसे स्टार फॉर्मेशन एरिया, सुपरनोवा रिमेनिंग या डस्ट क्लाउड्स के रूप में समझना संभव नहीं है। इसके बदले, आकार की यह सीमा सूरज की डेंसिटी से तकरीबन 10 मिलियन गुना अधिक डेंसिटी वाले एक सुपरमैसिव ब्लैक होल के मुताबिक है। ये रिजल्ट अबतक के सबसे मजबूत संकेत देते हैं कि एंटेनी गैलक्सी के अंदर छिपा हुआ एक्टिव ब्लैक होल मौजूद हो सकता है।

छिपा हो सकता है ब्लैक होल

गैलक्सी मर्जर गैस को गैलक्टिक सेंटर्स तक चैनल कर सकती है, जिससे सुपरमैसिव ब्लैक होल को ऊर्जा मिलती है और वे एक्टिव गैलक्सी न्युक्लाई में परिवर्तित हो जाते हैं। हालांकि, एंटेना गैलक्सी में अबतक स्टार विस्फोट की एक्टिविटी हावी दिखाई दी है और इस बात के बेहद कम प्रमाण मिले हैं कि कोई भी सेंट्रल ब्लैक होल एक्टिवली मैटर को इकट्ठा कर रहा था। आगे की जांच के लिए जापान के 'कोगाकुइन यूनिवर्सिटी' के शिन्य कोमुगी के नेतृत्व में एक टीम ने 100 जीएचजेड पर इस सिस्टम का ऑब्जर्वेशन करने के लिए अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/सबमिलीमीटर ऐरे का इस्तेमाल किया। एक बेवसाइड के मुताबिक, रिसर्चर्स ने लगभग ढाई महीनों में 52 बार गैलक्सी की निगरानी की और उनकी चमक में होने वाले बदलावों की खोज की।

52 बार गैलक्सी की निगरानी की और उनकी चमक में होने वाले बदलावों की खोज

बर्थडे से एक दिन पहले हुई मौत!

113 साल तक जिंदा रहा शख्स, लोगों को बताता था लंबी उम्र का सीक्रेट

बुखारेस्ट। यूरोप के सबसे उम्रदराज व्यक्ति इलिए सियोकान का 113वें जन्मदिन से महज एक दिन पहले निधन हो गया। 28 मई को उनका 113वां जन्मदिन होना था, लेकिन 27 मई को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनकी मौत की खबर सुनकर यूरोप में शोक की लहर दौड़ गई। इलिए ना सिर्फ यूरोप के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे, बल्कि दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज जीवित व्यक्ति भी थे।

इलिए सियोकान का जन्म 28 मई 1913 को रोमानिया के क्रेमेनारी गांव में हुआ था। मात्र 12 साल की उम्र में उन्होंने माता-पिता को खो दिया. इसके बाद उन्होंने गाय चराकर परिवार का पेट पाला। बड़े भाई अलियन ने परिवार की मुख्य जिम्मेदारी संभाली। जीवन की शुरुआत संघर्ष से हुई, लेकिन इलिए ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध भी देखा और कई ऐतिहासिक घटनाओं के गवाह बने।

लंबी उम्र के वैज्ञानिक कारण

वैज्ञानिकों का कहना है कि लंबी उम्र के पीछे आनुवंशिक कारण, स्वस्थ भोजन, सक्रिय जीवनशैली और सकारात्मक मानसिकता होती है। इलिए का केस भी इसी को प्रमाणित करता है। उन्होंने कभी सिगरेट या शराब नहीं छुई और सादा जीवन जिया।

113 साल की उम्र में भी रहे सक्रिय

इलिए 100 साल पार करने के बाद भी काफी सक्रिय रहते थे। वे गांव के लोगों से मिलते, सलाह देते और अपनी कहानियां सुनाते थे। उनके अनुसार, 'जिंदगी में गुस्सा मत करो, मेहनत करो और ईश्वर पर भरोसा रखो।' उनकी ये सीख आज भी युवाओं को प्रेरित करती है। दुनिया के कई देशों से उनके निधन पर शोक व्यक्त किया जा रहा है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और अन्य संगठनों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी. वे दुनिया के सबसे उम्रदराज लोगों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर थे। अब उनके बाद नया नाम इस लिस्ट में शामिल होगा। रोमानिया सरकार ने इलिए को कई बार सम्मानित किया था। वे अपने गांव में लोकप्रिय थे। गांव वाले उन्हें प्यार से 'दादाजी' कहकर बुलाते थे।

सकारात्मक सोच और प्रकृति के करीब

इलिए लंबी उम्र का राज बताने के लिए मशहूर थे। कई लोग उनसे मिलने आते थे और उनकी लाइफ के अनुभव सुनते थे। उन्होंने कहा था कि लंबी जिंदगी का राज सादगी, मेहनत, सकारात्मक सोच और प्रकृति के करीब रहने में है। वे रोजाना हल्का व्यायाम करते थे, मौसमी भोजन खाते थे और कभी तनाव नहीं लेते थे। उनकी ये बातें सोशल मीडिया और समाचारों में खूब चर्चित रहती थीं। उनकी मौत पर रोमानिया और पूरे यूरोप में मातम का माहौल है। राष्ट्रपति और अन्य प्रमुख नेताओं ने शोक संदेश दिया है। उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध का अंतिम वयोवृद्ध भी माना जाता था। उनकी जिंदगी 20वीं सदी के लगभग पूरे इतिहास को समेटे हुए थी।

जहरीला पक्षी! जिसे छूने से ही जा सकती है जान

- देखते ही दूर भागने लगते है इंसान

पोर्ट मोरेस्बी। दुनिया में जहरीले जीवों की बात हो तो लोगों के दिमाग में सबसे पहले सांप, मकड़ी या बिच्छू का नाम आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा पक्षी भी मौजूद है, जिसे छूना इंसानों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है? इस अनोखे और बेहद जहरीले पक्षी का नाम है हूडेड पिटोहुई। यह पक्षी मुख्य रूप से न्यू गिनी के जंगलों में पाया जाता है और इसे दुनिया का सबसे विषैला पक्षी माना जाता है।

इस पक्षी की खोज 1980 के दशक में वैज्ञानिक जैक डंबाचर ने की थी। वे न्यू गिनी में फील्ड वर्क कर रहे थे, तभी उन्होंने पहली बार इस पक्षी को पकड़ा। पक्षी को छूने के कुछ ही देर बाद उन्हें अपने हाथों, आंखों और मुंह में तेज जलन, झुनझुनी और सुन्नपन महसूस होने लगा। शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों हो रहा है, लेकिन बाद में जांच में पता चला कि इस पक्षी की त्वचा और पंख जहरीले होते हैं।

रिसर्च में हुआ खुलासा

साल 1992 में प्रकाशित एक रिसर्च में डंबाचर और उनकी टीम ने खुलासा किया कि हूडेड पिटोहुई के शरीर में बैट्राकोटॉक्सिन नाम का खतरनाक जहर पाया जाता है। यही जहर कुछ बेहद जहरीले मेंढकों में भी मिलता है। यह टॉक्सिन पक्षी को शिकारियों और परजीवियों से बचाने में मदद करता है। अगर कोई शिकारी इसे खाने की कोशिश करे, तो उसे गंभीर नुकसान हो सकता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह पक्षी खुद अपने शरीर में जहर नहीं बनाता. वैज्ञानिकों के अनुसार, हूडेड पिटोहुई अपनी डाइट से यह जहर हासिल करता है। यह मेलिरिड बीटल्स नाम के जहरीले कीड़ों को खाता है, जिनमें बैट्राकोटॉक्सिन मौजूद होता है। बाद में यही जहर पक्षी की त्वचा और पंखों में जमा हो जाता है।

लोग इस पक्षी से दूरी बनाकर रखते हैं

इस पक्षी के चमकीले काले और नारंगी रंग भी खास मकसद पूरा करते हैं। इसे अपोसेमेटिज्म कहा जाता है, यानी ऐसा रंग जो दूसरे जीवों को चेतावनी देता है कि यह खतरनाक हो सकता है। यही वजह है कि न्यू गिनी के स्थानीय लोग इस पक्षी से दूरी बनाकर रखते हैं। वहां के लोग इसे रबिश बर्ड यानी बेकार पक्षी भी कहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनिया में ऐसे पक्षी बेहद कम हैं, जो आत्मरक्षा के लिए जहर का इस्तेमाल करते हैं। यही कारण है कि हुडेड पिटोहुई आज भी वैज्ञानिकों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए रहस्य और हैरानी का विषय बना हुआ है।

सुर्खियां नाइजीरिया में मचा हंगामा

पढ़ने-खेलने की उम्र में बना दमदार पॉलिटिशियन

अबूजा। राजनीति में अक्सर बड़े-बड़े वादे, तीखे भाषण और विवाद सुर्खियां बटोरते हैं, लेकिन कभी-कभी ऐसे चौंकाने वाले मामले सामने आ जाते हैं जो पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर देते हैं। सोचिए, अगर कोई शख्स अपनी उम्र छुपाकर चुनावी मैदान में उतर जाए और खुद को बड़ा नेता साबित करने की कोशिश करे, तो क्या होगा? ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला नाइजीरिया से सामने आया, जिसने लोगों को दंग कर दिया। यह कहानी है महमूद सादिस बाबा की, जिन्हें लोग 'अबीन अल-जाजौ' के नाम से भी जानते हैं। वह नाइजीरिया की सत्ताधारी पार्टी ऑल प्रोग्रेसिव्स कांग्रेस से जुड़े थे और अपनी लोकप्रियता के कारण द वंडर ऑफ जारिया कहे जाते थे। अचानक उनकी चर्चा तब तेज हो गई, जब चुनावी स्क्रीनिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में उनका कद-काठी और चेहरा किसी बच्चे जैसा नजर आ रहा था, लेकिन आत्मविश्वास किसी अनुभवी नेता जैसा था।

उम्र को लेकर उठे सवाल - जब उनसे उनकी उम्र को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने दावा किया कि वह 30 साल के हैं। उन्होंने अपनी छोटी कद-काठी और मासूम दिखने वाली शक्ल की वजह इवार्फिज्म यानी बौनेपन को बताया। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि वह अपनी पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और राजनीति में आने से पहले ड्राइवर के रूप में काम कर चुके हैं। उनके आत्मविश्वास ने कई लोगों को प्रभावित भी किया।

महमूद ने अंततः पीछे हटने का फैसला किया

विवाद बढ़ने पर महमूद ने भी अंततः पीछे हटने का फैसला किया। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को एक भावुक पत्र लिखकर चुनावी दौड़ से हटने की घोषणा कर दी। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद उन्होंने यह कदम उठाया है। इस तरह एक ऐसे युवक का सपना अधूरा रह गया, जो खुद को देश की राजनीति में स्थापित करना चाहता था। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने यह जरूर दिखा दिया कि राजनीति में सच कितनी जल्दी सामने आ सकता है, और झूठ ज्यादा देर तक छुप नहीं सकता।

सोशल मीडिया पर सामने आने लगे दस्तावेज

लेकिन, यह कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। कुछ ही समय बाद सोशल मीडिया पर उनके दस्तावेज सामने आने लगे, जिन्होंने पूरे मामले की सच्चाई उजागर कर दी। पासपोर्ट, नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर, जन्म प्रमाण पत्र और स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार, महमूद का जन्म 1995 नहीं, बल्कि 2010 में हुआ था। यानी उनकी असली उम्र महज 15 या 16 साल थी, जो चुनाव लड़ने की न्यूनतम कानूनी उम्र से काफी कम है। शुरुआत में उनकी पार्टी एपीसी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और इसे साजिश बताया। लेकिन, जैसे-जैसे पुख्ता सबूत सामने आते गए, पार्टी की स्थिति कमजोर पड़ती गई। आखिरकार सच सामने आने के बाद पार्टी ने उन्हें चुनाव के लिए अयोग्य घोषित कर दिया।